बाल्यावस्था और विकास प्रक्रिया

प्रश्नपत्र –Ist

UNIT – I: बाल्यावस्था एवं बाल विकास (Childhood and child Development)

1. **बाल्यावस्था (Childhood)** का क्या अर्थ है? इसकी मुख्य अवधारणा और विकासात्मक विशेषताओं की सविस्तार व्याख्या कीजिए
2. **विविध पृष्ठभूमि और बाल विकास:** एक बच्चे के विकास पर उसके विविध सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि (Diverse Social, Economic and Cultural Background) के प्रभाव का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए
3. **बालक के बहुआयामी विकास को समझाइए:** बाल्यावस्था में बालक के शारीरिक (Physical), सामाजिक (Social), संवेगात्मक (Emotional) और बौद्धिक (Intellectual) विकास के प्रतिमानों का वर्णन कीजिए
4. **अवधारणा निर्माण और तार्किक चिंतन:** बच्चों में संप्रत्यय निर्माण (Concept Formation), तार्किक चिंतन (Logical Reasoning) और समस्या समाधान (Problem-solving) क्षमताओं का विकास किस प्रकार होता है? स्पष्ट कीजिए
5. **जीन पियाजे का संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत:** पियाजे के संज्ञानात्मक एवं भाषा विकास के सिद्धांत (Piaget's Contribution to Cognitive & Language Development) की विभिन्न अवस्थाओं और इसके शैक्षिक निहितार्थों की विस्तृत विवेचना कीजिए
6. **पर्यावरणीय कारकों का प्रभाव:** बालक के संपूर्ण विकास पर परिवार (Family), विद्यालय (Schools), पड़ोस (Neighbourhood) और समुदाय (Community) के प्रभावों का उदाहरण सहित मूल्यांकन कीजिए

UNIT – II: किशोरावस्था का विकास (Adolescent Development)

7. **किशोरावस्था (Adolescence)** से आप क्या समझते हैं? इसके अर्थ, मुख्य अवधारणा और किशोर शिक्षार्थी की प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित कीजिए
8. **किशोर शिक्षार्थी के विकास के प्रतिमान:** किशोरावस्था में होने वाले संज्ञानात्मक, शारीरिक, सामाजिक, संवेगात्मक और नैतिक विकास (Cognitive, Physical, Social, Emotional and Moral Development) के प्रतिमानों का सविस्तार वर्णन कीजिए

9. **किशोर व्यक्तित्व की समस्याएं (Part 1):** किशोरों में दिवास्वप्न (Daydreaming), नायक-पूजा (Hero-worship), आदर्शवाद (Idealism) और विपरीत लिंग के प्रति जिज्ञासा/आकर्षण के कारणों एवं उनके समाधान के उपाय सुझाइए।
10. **किशोर व्यक्तित्व की समस्याएं (Part 2):** आधुनिक दौर में किशोरों में बढ़ती नशीली दवाओं की लत और धूम्रपान (Drug addiction & smoking), दिखावा करने की प्रवृत्ति (Showing off) और सामाजिक वर्जनाओं (Social Taboos) के प्रभाव की विवेचना कीजिए।
11. **सोशल मीडिया और तकनीक की लत:** वर्तमान समय में किशोर शिक्षार्थियों पर सोशल मीडिया की लत (Social-media addiction) के दुष्परिणामों और इसके व्यावहारिक समाधान/उपायों पर एक विस्तृत निबंध लिखिए।
12. **शहरीकरण और आर्थिक परिवर्तन का प्रभाव:** शहरीकरण (Urbanization), तीव्र आर्थिक बदलाव (Economic change) और सामाजिक वर्जनाओं का किशोरों के मानसिक और सामाजिक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है? समझाइए।

UNIT - III: बुद्धि एवं सृजनात्मकता (Intelligence & Creativity)

13. **बुद्धि (Intelligence):** बुद्धि से क्या तात्पर्य है? बुद्धि की आधुनिक अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसके विभिन्न प्रकारों पर प्रकाश डालिए।
14. **बुद्धि का मापन (Measurement of Intelligence):** बुद्धि मापन के ऐतिहासिक विकास का वर्णन कीजिए तथा व्यक्तिगत (Individual) और सामूहिक (Group) बुद्धि परीक्षणों के अंतर को स्पष्ट कीजिए।
15. **बुद्धि परीक्षणों की उपयोगिता:** विभिन्न दो प्रमुख क्रियात्मक या अशाब्दिक बुद्धि परीक्षणों की प्रक्रिया समझाइए तथा शिक्षा के क्षेत्र में बुद्धि मापन की सीमाओं और महत्व की विवेचना कीजिए।
16. **सृजनात्मकता (Creativity):** सृजनात्मकता का अर्थ और परिभाषाएं लिखिए। सृजनात्मक बालक की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
17. **सृजनात्मकता का मापन (Measurement of Creativity):** बालकों में सृजनात्मकता का मापन किस प्रकार किया जाता है? प्रमुख सृजनात्मक परीक्षणों (जैसे टॉरेंस या वाकर मेहंदी परीक्षण) के तत्वों (प्रवाह, लचीलापन, मौलिकता) को समझाइए।
18. **बुद्धि और सृजनात्मकता में संबंध:** बुद्धि और सृजनात्मकता के बीच अंतर्संबंधों की व्याख्या कीजिए। कक्षा-कक्ष में बच्चों की सृजनात्मकता को संवर्धित करने के लिए एक शिक्षक को क्या करना चाहिए?

UNIT – IV: शारीरिक एवं मानसिक स्वच्छता (Physical & Mental Hygiene)

19. **मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता:** मानसिक स्वास्थ्य (Mental Health) और मानसिक स्वच्छता (Hygiene) का अर्थ व अवधारणा स्पष्ट कीजिए बालक के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले घरेलू और विद्यालयी कारकों की विवेचना कीजिए

20. **अच्छा मानसिक स्वास्थ्य:** एक उत्तम मानसिक स्वास्थ्य वाले बालक की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए विद्यालय में अनुकूल मानसिक स्वास्थ्य का वातावरण कैसे तैयार किया जा सकता है?

21. **मानसिक रूप से स्वस्थ शिक्षक:** "एक मानसिक रूप से स्वस्थ शिक्षक (Mentally Healthy Teacher) ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है।" इस कथन के आलोक में स्वस्थ शिक्षक की विशेषताओं का वर्णन कीजिए

22. **शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार:** शिक्षकों के मानसिक तनाव/बर्नआउट के कारणों पर प्रकाश डालिए तथा उनके मानसिक स्वास्थ्य को उन्नत करने (To improve mental health of teachers) के व्यावहारिक उपाय सुझाइए

23. **व्यक्तिगत एवं पर्यावरणीय स्वच्छता:** छात्रों के स्वास्थ्य के परिप्रेक्ष्य में व्यक्तिगत स्वच्छता (Personal Hygiene) और पर्यावरणीय स्वच्छता (Environmental Hygiene) के अंतर्संबंधों और बुनियादी नियमों की व्याख्या कीजिए

24. **पारिवारिक व विद्यालयी स्वास्थ्य कार्यक्रम:** बच्चों के विकास में परिवार और स्कूल के स्वास्थ्य संबंधी दायित्वों का वर्णन कीजिए विद्यालय में दुर्घटनाओं से बचाव (Prevention of accident) और स्वास्थ्य सूचनाओं (Health Information) के प्रसार की रणनीतियाँ बताइए

25. **रोगों की रोकथाम और स्वास्थ्य चेतना:** स्कूली बच्चों में संक्रामक व सामान्य रोगों की रोकथाम (Disease Prevention) के लिए बताए जाने वाले कार्यक्रमों और शिक्षकों में स्वास्थ्य जागरूकता (Health awareness) विकसित करने के उपायों का वर्णन कीजिए

UNIT – V: व्यक्तित्व (Personality)

26. **व्यक्तित्व की अवधारणा (Concept of Personality):** व्यक्तित्व से आप क्या समझते हैं? व्यक्तित्व को परिभाषित करते हुए इसकी प्रकृति और इसके विकास को निर्धारित करने वाले जैविक व सामाजिक कारकों की विवेचना कीजिए

27. **व्यक्तित्व का पाश्चात्य दृष्टिकोण (Western Approach):** व्यक्तित्व के संबंध में पाश्चात्य सिद्धांतों या वर्गीकरणों (जैसे– आइजेंक, कैटल, ऑलपोर्ट या जुंग का वर्गीकरण) का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

28. **व्यक्तित्व का भारतीय दृष्टिकोण (Indian Approach):** भारतीय दर्शन और आयुर्वेद के अनुसार व्यक्तित्व की अवधारणा (जैसे– त्रिगुण सिद्धांत: सत्व, रजस, तमस या त्रिदोष सिद्धांत: वात, पित्त, कफ) की सविस्तार व्याख्या कीजिए।

29. **व्यक्तित्व का मापन (Measurement of Personality):** व्यक्तित्व मापन की विभिन्न तकनीकों का वर्गीकरण कीजिए। प्रक्षेपी (Projective Techniques – जैसे Rorschach, TAT) और अप्रक्षेपी विधियों के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

30. **व्यक्तित्व विकास को प्रभावित करने वाले कारक:** बालक के व्यक्तित्व विकास को प्रभावित करने वाले मुख्य कारकों (Factors affecting personality Development) जैसे— वंशानुक्रम, परिवार, संस्कृति और समकक्षी समूह (Peer groups) की भूमिका का सविस्तार वर्णन कीजिए।

समकालीन भारतीय शिक्षा के मूल आधार

प्रश्नपत्र –II

UNIT – I: समाज में विविधता और शिक्षा (Diversity in Society & Education)

1. **शिक्षा की अवधारणा:** शिक्षा का अर्थ, प्रत्यय (Concept) और इसकी वास्तविक प्रकृति की सविस्तार व्याख्या कीजिए
2. **सामाजिक एवं सांस्कृतिक विविधता:** सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता से क्या तात्पर्य है? भारतीय शिक्षा प्रणाली पर इस विविधता के पड़ने वाले प्रभावों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए
3. **समाज और शिक्षा का परिप्रेक्ष्य:** समाज और शिक्षा के बीच अंतर्संबंधों को सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण (Social, Cultural, economic and Political Perspective) से स्पष्ट कीजिए
4. **पहचान निर्माण में विद्यालय की भूमिका:** राष्ट्रीय (National), धर्मनिरपेक्ष (Secular) और मानवीय पहचान (Humanistic identities) को आकार देने और उन्हें विकसित करने में विद्यालय किस प्रकार अपनी भूमिका निभाता है?
5. **व्यक्तिगत एवं सामूहिक पहचान के निर्धारक:** किसी व्यक्ति या समूह के पहचान निर्माण (Identity formation) को निर्धारित करने में सामाजिक श्रेणियों जैसे—जाति (Caste), वर्ग (Class) और धर्म (Religion) की भूमिका की विवेचना कीजिए
6. **भाषा, लिंग और आयु:** पहचान निर्माण के मुख्य निर्धारकों के रूप में भाषा (Language), लिंग (Gender) और आयु (Age) का बालक के सामाजिक विकास के संदर्भ में परीक्षण कीजिए

UNIT – II: समकालीन भारतीय समाज के मुद्दे और संवैधानिक प्रावधान (Issues of Contemporary Indian Society & Constitutional Provisions)

7. **बहुलतावादी एवं समतावादी संस्कृति:** बहुलतावादी (Pluralistic) और समतावादी (Egalitarian) सांस्कृतिक पहचान का अर्थ स्पष्ट करते हुए शिक्षा के साथ इसके संबंध की व्याख्या कीजिए

8. **लैंगिक समानता एवं संवेदीकरण:** लैंगिक समानता (Gender Equality) की आवश्यकता क्यों है? समकालीन समाज में लैंगिक संवेदीकरण (Gender Sensitization) को बढ़ावा देने में शिक्षा की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
9. **हाशिए पर होना और भेदभाव:** असमानता (Inequality), भेदभाव (Discrimination) और हाशिए पर होने (Marginalization) की अवधारणा को समझाते हुए शिक्षा और समाज पर इसके प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।
10. **संवैधानिक मूल्य और नागरिक चेतना:** भारतीय संविधान की प्रस्तावना (Preamble), नागरिकों के मूल अधिकार (Fundamental Rights) और मूल कर्तव्यों (Fundamental Duties) के शैक्षिक महत्व की विवेचना कीजिए।
11. **मानव व बाल अधिकार और नीति निर्देशक तत्व:** मानव एवं बाल अधिकारों (Human & Child rights) से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों को स्पष्ट कीजिए तथा राष्ट्रीय नीतियों के मार्गदर्शक सिद्धांतों (Directive principles) पर प्रकाश डालिए।
12. **NCPCR और राष्ट्रीय सुरक्षा:** राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) की भूमिका व कार्यों का वर्णन कीजिए तथा समझाइए कि शिक्षा किस प्रकार राष्ट्रीय एकता (National integration) और राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान देती है।

UNIT – III: सामाजिक संदर्भ में विद्यालय (School in Social Context)

13. **सामाजिकरण की प्रक्रिया:** सामाजिकरण की प्रकृति और प्रक्रियाओं (Nature and processes of socialisation) की सविस्तार व्याख्या कीजिए।
14. **परिवार एक सामाजिक संस्था के रूप में:** बालक के प्राथमिक सामाजिकरण में परिवार की भूमिका स्पष्ट कीजिए। विभिन्न पैरेंटिंग शैलियों (Parenting styles) और उनके बालकों पर पड़ने वाले प्रभावों का आलोचनात्मक वर्णन कीजिए।
15. **माता-पिता की अपेक्षाएं और मूल्य:** परिवार द्वारा बालक में माता-पिता की अपेक्षाओं (Parental expectations) और सांस्कृतिक/नैतिक मूल्यों के हस्तांतरण (Transmission of values) की प्रक्रिया को समझाइए।
16. **समुदाय और सामाजिकरण:** बच्चे के सामाजिकरण में पड़ोस (Neighbourhood), विस्तारित परिवार (Extended family) और धार्मिक समूहों (Religious groups) के सामाजिक कार्यों का वर्णन कीजिए।

17. **विद्यालय में प्रवेश का प्रभाव:** एक सामाजिक संस्था के रूप में विद्यालय (School as a social institution) की भूमिका स्पष्ट कीजिए तथा बालक के जीवन और मूल्य-निर्माण (Value-formation) पर विद्यालय में प्रवेश के प्रभावों की विवेचना कीजिए

18. **स्व (Self) का विकास और प्रतिमान विस्थापन:** स्व के विभिन्न आयामों और उस पर सामाजिकरण के प्रभाव को समझाइए सामाजिक संदर्भ के परिप्रेक्ष्य में शैक्षणिक अवधारणाओं में आए प्रतिमान विस्थापन (Paradigm Shift in Pedagogical Concept) की समीक्षा कीजिए

UNIT – IV: उभरते हुए भारतीय सरोकार और उनके शैक्षिक निहितार्थ (Emerging Indian Concerns and their educational implications)

19. **उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण (LGP):** उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण का अर्थ व प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर इनके सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए

20. **सामाजिक स्तरीकरण (Social Stratification):** सामाजिक स्तरीकरण की अवधारणा और इसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए यह शैक्षिक अवसरों की समानता को किस प्रकार प्रभावित करता है?

21. **सामाजिक गतिशीलता और सुदृढ़ता:** शिक्षा किस प्रकार सामाजिक गतिशीलता (Social Mobility) का एक सशक्त माध्यम है? सामाजिक सुदृढ़ता/एकजुटता (Social Cohesion) बनाए रखने में शिक्षा के महत्व को रेखांकित कीजिए

22. **तकनीकी आक्रमण और ज्ञान विस्फोट:** आधुनिक शिक्षा में तकनीकी आक्रमण (Technological Invasion) और ज्ञान विस्फोट (Knowledge Explosion) से उत्पन्न चुनौतियों और अवसरों की विस्तृत विवेचना कीजिए

23. **हाशिए के समूहों की शिक्षा (महिलाएं व दलित):** समकालीन भारत में महिलाओं (Women) और दलितों (Dalits) जैसे हाशिए के समूहों की शैक्षिक स्थिति, समस्याओं और उनके सुधार के उपायों पर एक निबंध लिखिए

24. **जनजातीय लोगों की शिक्षा:** जनजातीय लोगों (Tribal people) की शिक्षा के मार्ग में आने वाली प्रमुख सामाजिक-आर्थिक बाधाओं का वर्णन कीजिए तथा सरकार द्वारा किए गए प्रयासों की समीक्षा कीजिए

UNIT – V: समकालीन मुद्दे और नीतियां (Contemporary Issues and Policies)

25. **शैक्षिक अवसरों की समानता:** भारतीय शिक्षा प्रणाली में अवसरों की समानता (Equalization of opportunities in education) से संबंधित समकालीन चुनौतियों और बाधाओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

26. **शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE):** शिक्षा का अधिकार (Right to Education) के प्रमुख प्रावधानों को स्पष्ट कीजिए तथा जमीनी स्तर पर इसके क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों की समीक्षा कीजिए।

27. **सर्व शिक्षा अभियान (SSA):** प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण की दिशा में सर्व शिक्षा अभियान (SSA) के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और इसकी सफलताओं का मूल्यांकन कीजिए।

28. **नई तालीम (Nayee Taleem):** महात्मा गांधी के 'नई तालीम' या बुनियादी शिक्षा के दर्शन और पाठ्यक्रम को स्पष्ट कीजिए तथा वर्तमान औद्योगिक और तकनीकी युग में यह प्रासंगिक है?

29. **शिक्षा और औद्योगिकीकरण:** औद्योगिकीकरण (Industrialization) के इस दौर में शिक्षा के बदलते उद्देश्यों, पाठ्यक्रम के व्यवसायीकरण और कुशल मानव संसाधन तैयार करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

30. **प्रो. यशपाल समिति की रिपोर्ट (1993):** प्रो. यशपाल समिति की रिपोर्ट **"शिक्षा बिना बोझ के"** (Learning without Burden) की मुख्य सिफारिशों, शिक्षण पद्धतियों में सुधार के सुझावों और इसके दूरगामी शैक्षिक प्रभावों की सविस्तार व्याख्या कीजिए।

शिक्षण और अधिगम

प्रश्नपत्र –III

Unit - 1: शिक्षण एवं अधिगम के मनोवैज्ञानिक क्षेत्र (Psychological domains of Teaching & Learning)

1. **विकास की अवधारणा और अधिगम से संबंध:** विकास (Development) का अर्थ और इसके प्रमुख सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। विकास और अधिगम (Learning) के बीच पाए जाने वाले अंतर्संबंधों को स्पष्ट कीजिए।
2. **संज्ञान और अधिगम में इसकी भूमिका:** संज्ञान (Cognitive Domain) से क्या तात्पर्य है? अधिगम की प्रक्रिया में संज्ञान की भूमिका तथा संज्ञान और अधिगम को प्रभावित करने वाले सामाजिक–सांस्कृतिक कारकों का आलोचनात्मक वर्णन कीजिए।
3. **सामाजिक विकास और शिक्षण–अधिगम:** सामाजिक विकास का अर्थ, महत्व और इसकी सामाजिक प्रक्रियाओं की विवेचना कीजिए। यह प्रक्रिया शिक्षण और अधिगम को किस प्रकार प्रभावित करती है?
4. **जेरोम ब्रूनर का सामाजिक निर्मितिवाद सिद्धांत:** जेरोम ब्रूनर के सामाजिक निर्मितिवाद के सिद्धांत (Bruner's theory of social construction) की सविस्तार व्याख्या कीजिए तथा इसके शैक्षिक निहितार्थ लिखिए।
5. **संवेगात्मक विकास और उसका प्रभाव:** संवेगात्मक विकास (Emotional development) के अर्थ और इसकी प्रक्रियाओं को स्पष्ट कीजिए। शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया पर संवेगात्मक विकास के प्रभावों के अध्ययन की आवश्यकता क्यों है?

Unit - 2: प्रभावी शिक्षण (Effective Teaching)

6. **प्रभावी शिक्षण की अवधारणा:** प्रभावी शिक्षण (Effective Teaching) का अर्थ, इसके मुख्य घटक (Components) और मापदंडों (Parameters) की विस्तृत विवेचना कीजिए।

7. **शिक्षण कौशल और कक्षा-कक्षा रणनीतियाँ:** शिक्षण कौशलों (Teaching Skills) की पहचान किस प्रकार की जाती है? प्रभावी कक्षा-कक्षा अनुदेशन रणनीतियों (Classroom instruction strategies) और शिक्षण के सामान्य सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।
8. **कक्षा-कक्षा का आधुनिकीकरण और शिक्षक व्यवहार:** बदलते दौर में कक्षा-कक्षा के आधुनिकीकरण (Modernising the classroom) की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए तथा प्रभावी शिक्षण में शिक्षक के व्यवहार (Teacher behaviour) के महत्व पर प्रकाश डालिए।
9. **फ्लैंडर की अंतःक्रिया विश्लेषण प्रणाली:** कक्षा के वातावरण को समझने के लिए **फ्लैंडर की दस वर्ग प्रणाली** (Flanders' interaction analysis system) के सिद्धांतों, सोपानों और इसकी सीमाओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
10. **सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक शिक्षाशास्त्र:** सांस्कृतिक रूप से विविध पृष्ठभूमि वाले छात्रों (Culturally diverse students) को पढ़ाने की चुनौतियों का वर्णन कीजिए तथा सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक शिक्षाशास्त्र के सिद्धांत (Theory of culturally relevant pedagogy) को समझाइए।
11. **सृजनात्मक शिक्षण (Creative Teaching):** सृजनात्मक शिक्षण का अर्थ, प्रत्यय और कक्षा-कक्षा में सृजनात्मक रूप से पढ़ाने के विशिष्ट तरीकों (Ways of teaching creatively) की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
12. **सीखने के लिए भूलना (Unlearning to learn):** 'अधिगम विलोपन' या 'सीखने के लिए भूलना' (Unlearning to learn) की अवधारणा से आप क्या समझते हैं? एक शिक्षक और छात्र के दृष्टिकोण से इसकी उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

Unit - 3: अधिगम / सीखना (Learning)

13. **अधिगम की प्रकृति और कारक:** अधिगम का अर्थ, परिभाषाएँ और इसकी प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। अधिगम की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले व्यक्तिगत और पर्यावरणीय कारकों की समीक्षा कीजिए।
14. **अधिगम के विविध प्रकार:** अधिगम के विशिष्ट प्रकारों—**अंतर्दृष्टि अधिगम** (Insight), **निर्मितिवादी अधिगम** (Constructivist) और **सामाजिक अधिगम** (Social Learning) की मुख्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

15. **अधिगम प्रक्रिया में प्रतिमान विस्थापन:** परंपरागत शिक्षण से आधुनिक अधिगम उन्मुख प्रक्रियाओं की ओर आए प्रतिमान विस्थापन (Shift from teaching to learning) का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए

16. **अधिगम के सिद्धांत और गुणवत्ता:** अधिगम के बुनियादी सिद्धांतों (Principles of learning) की विवेचना कीजिए तथा शिक्षण में अधिगम की गुणवत्ता (Quality of learning) को कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है? उपाय सुझाइए

17. **शिक्षण-अधिगम स्थितियों में शिक्षक की भूमिकाएं (Part 1):** ज्ञान के प्रेषक/हस्तांतरणकर्ता (Transmitter of knowledge) और एक आदर्श रोल मॉडल (Teacher as a Role Model) के रूप में शिक्षक की भूमिका का तुलनात्मक वर्णन कीजिए

18. **शिक्षण-अधिगम स्थितियों में शिक्षक की भूमिकाएं (Part 2):** निर्माणवादी दृष्टिकोण (Constructivist Approach) के तहत बच्चों को ज्ञान सृजन के लिए प्रोत्साहित करने वाले एक सुगमकर्ता (Facilitator) और सह-अधिगमकर्ता (Co-learner) के रूप में शिक्षक के उत्तरदायित्वों की व्याख्या कीजिए

19. **अधिगम में अभिप्रेरणा (Motivation):** अभिप्रेरणा के संप्रत्यय को स्पष्ट कीजिए कक्षा-कक्ष शिक्षण में छात्रों को अधिगम के प्रति प्रेरित करने के लिए एक शिक्षक को किन अभिप्रेरणात्मक रणनीतियों (Motivational Strategies) का प्रयोग करना चाहिए?

Unit - 4: अधिगम शैली (Learning Style)

20. **अधिगमकर्ताओं में विविधता:** अधिगमकर्ताओं में पाई जाने वाली विविधताओं (Diversity among learners) से क्या तात्पर्य है? विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (Special Needs) की विशिष्ट अधिगम आवश्यकताओं की पहचान आप कैसे करेंगे?

21. **बहुभाषी पृष्ठभूमि वाले बच्चे:** बहुभाषी पृष्ठभूमि (Multilingual background) की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए एक बहुभाषी कक्षा-कक्ष में बच्चों को आने वाली समस्याओं और इसके शैक्षणिक निहितार्थों (Classroom implications) की विवेचना कीजिए

22. **अधिगम शैली की अवधारणा:** अधिगम शैली (Learning Style) से क्या अभिप्राय है? शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में शिक्षार्थियों की अधिगम शैलियों को जानने के महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डालिए

23. **अधिगम शैलियों के प्रकार और कारक:** अधिगम शैलियों के विभिन्न प्रकारों का वर्गीकरण कीजिए तथा छात्र की अधिगम शैली को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों (Factors affecting learning style) का सविस्तार वर्णन कीजिए।

Unit - 5: शिक्षण शैली (Teaching style)

24. **शिक्षण शैली और उसका प्रभाव:** शिक्षण शैली (Teaching Style) का अर्थ और प्रत्यय स्पष्ट कीजिए। शिक्षक की विभिन्न शिक्षण शैलियों का छात्रों के अधिगम प्रक्रिया (Learners' learning process) पर क्या प्रभाव पड़ता है?
25. **शिक्षण शैली को प्रभावित करने वाले कारक:** एक शिक्षक की शिक्षण शैली के निर्धारण में उसकी स्वयं के दार्शनिक विचारधारा, अनुभव और विद्यालयी परिवेश (Factors affecting teaching style) किस प्रकार भूमिका निभाते हैं?
26. **शिक्षक का शाब्दिक और अशाब्दिक व्यवहार:** कक्षा-कक्ष में शिक्षक के शाब्दिक (Verbal) और अशाब्दिक (Non-Verbal) व्यवहार के अंतर को स्पष्ट कीजिए। शिक्षक के अशाब्दिक संकेतों (जैसे शारीरिक हाव-भाव, आई-कॉन्टैक्ट) का छात्रों के सीखने पर क्या प्रभाव पड़ता है?
27. **कक्षा के बाहर के अनुभव (Out of class experiences):** बच्चों के कक्षा के बाहर के अनुभवों (जैसे- खेल का मैदान, प्रकृति, समाज) का कक्षा शिक्षण में किस प्रकार रचनात्मक उपयोग किया जा सकता है? उदाहरण सहित समझाइए।
28. **संगठनात्मक वातावरण (Organisational Climate):** विद्यालय के संगठनात्मक वातावरण से क्या तात्पर्य है? एक सकारात्मक और सहयोगात्मक संगठनात्मक वातावरण शिक्षण की प्रभावशीलता को कैसे बढ़ाता है?
29. **शिक्षण और अधिगम शैलियों का समन्वय:** एक प्रभावी शिक्षक कक्षा में छात्रों की विविध अधिगम शैलियों (Learning styles) के साथ अपनी शिक्षण शैली (Teaching style) का सामंजस्य कैसे स्थापित कर सकता है? व्यावहारिक रणनीतियाँ सुझाइए।
30. **कक्षा-कक्ष अनुदेशन रणनीतियों का सामान्य परिचय:** विभिन्न अनुदेशनात्मक रणनीतियों (जैसे- व्याख्यान, प्रदर्शन, सामूहिक परिचर्चा) का सामान्य परिचय दीजिए तथा समकालीन सामाजिक संदर्भ में इनकी प्रभावशीलता की समीक्षा कीजिए।

शिक्षा और सम्प्रेषण के आधार

प्रश्नपत्र –IV

Unit 1: शिक्षा, प्रकृति और उद्देश्य (Education, Nature & Purpose)

1. **शिक्षा के उद्देश्य और महान विचारक (भारतीय परिप्रेक्ष्य):** स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी और महर्षि अरविंदो के शैक्षिक दर्शन के अनुसार शिक्षा के अर्थ, प्रकृति और वास्तविक उद्देश्यों की सविस्तार विवेचना कीजिए।
2. **शिक्षा के उद्देश्य और महान विचारक (पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य):** प्रकृतिवादी विचारक रूसो (Rousseau) और प्रयोजनवादी विचारक जॉन डीवी (John Dewey) के शैक्षिक विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए तथा आधुनिक शिक्षा में इनकी प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।
3. **महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दस्तावेज और शिक्षा:** कोठारी आयोग (1964-66), राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 (NPE 1986) और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 (NCF 2005) के अनुसार शिक्षा के स्वरूप और अनुशंसित राष्ट्रीय उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।
4. **व्यक्तित्व को आकार देने वाले शैक्षिक निर्धारक:** बालक के व्यक्तित्व निर्माण (Shaping the Personality) में शिक्षक (Teacher), विद्यालय (School) और पाठ्यक्रम के विषयों (Subjects) की भूमिका का तार्किक विश्लेषण कीजिए।
5. **समकक्षी समूह, पाठ्यसहगामी क्रियाएँ और मीडिया:** व्यक्तित्व विकास के निर्धारकों के रूप में समकक्षी समूह (Peers), सह-शिक्षा गतिविधियों (Co-Curricular Activities) तथा जनसंचार माध्यमों (Media) के सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों को समझाइए।

6. **शिक्षा एक प्रक्रिया के रूप में:** शिक्षा को एक 'नियोजित प्रक्रिया' (Planned Process) और एक 'सामाजिक प्रक्रिया' (Social Process) क्यों माना जाता है? समकालीन भारतीय समाज के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

Unit 2: शिक्षा का उद्विकास और प्रबंधन (Evolution and Management of Education)

7. **वैदिक कालीन शिक्षा प्रणाली:** प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली (Vedic Era) के स्वरूप का वर्णन कीजिए। इस काल में शिक्षक के स्थान, शिक्षार्थी (Student) की स्थिति, शिक्षण विधियों (Methods) और पाठ्य-वस्तु (Contents) की विस्तृत विवेचना कीजिए।
8. **ऐतिहासिक कालक्रम में शिक्षा का विकास:** भारत में बौद्ध काल (Buddhist Era), मुस्लिम काल (Muslim Era) और ब्रिटिश काल (British Era) की शिक्षा व्यवस्थाओं का एक शैक्षिक ऐतिहासिक परिचय देते हुए उनके मुख्य लक्षणों को रेखांकित कीजिए।
9. **स्वतंत्रता के बाद का शैक्षिक विकास:** स्वतंत्रता-पश्चात (Post independent era) भारत में स्कूली शिक्षा के विस्तार, गुणवत्ता सुधार और सार्वभौमीकरण की दिशा में किए गए मुख्य प्रयासों की समीक्षा कीजिए।
10. **आधुनिक प्रतिस्पर्धी समाज में शिक्षा:** वर्तमान समय के आधुनिक प्रतिस्पर्धी समाज (Modern competitive society) में शिक्षा की बदलती भूमिका, व्यावसायिक प्रतिस्पर्द्धा और इसके सामाजिक निहितार्थों पर एक निबंध लिखिए।
11. **आधुनिक शैक्षिक साधन (Modern Educational Means):** आधुनिक शिक्षण-अधिगम को प्रभावी बनाने में शैक्षिक रेडियो (Educational Radio), शैक्षिक टेलीविजन, एडुसैट (Edu-Sat), डिजिटल बोर्ड्स (Digital Boards) और फिल्मों की उपयोगिता व चुनौतियों का मूल्यांकन कीजिए।
12. **शैक्षिक प्रबंधन और प्रधानाध्यापक:** शैक्षिक प्रबंधन (Educational Management) का अर्थ और इसके बुनियादी सिद्धांतों को स्पष्ट कीजिए। एक विद्यालय के कुशल संचालन में प्रधानाध्यापक की भूमिका, उत्तरदायित्व (Role and Responsibility of the Head Master) और प्रभावी पर्यवेक्षण (Effective supervision) की प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

Unit 3: शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श (Educational Guidance & Counselling)

13. **निर्देशन एवं परामर्श की अवधारणा:** शैक्षिक संस्थानों में निर्देशन (Guidance) और परामर्श (Counselling) का क्या अर्थ है? इसकी मूल अवधारणा, आवश्यकताओं और आधुनिक शिक्षा में इसके महत्व की सविस्तार विवेचना कीजिए।
14. **निर्देशन की तकनीकें:** छात्रों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए प्रयुक्त होने वाली व्यक्तिगत निर्देशन तकनीक (Individual techniques) और सामूहिक निर्देशन तकनीक (Group techniques) की कार्यप्रणाली और अंतर को स्पष्ट कीजिए।
15. **विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए निर्देशन:** विशिष्ट आवश्यकताओं वाले बालकों या दिव्यांग बच्चों (Children with special needs) के लिए निर्देशन एवं परामर्श की विशेष रणनीतियों और एक शिक्षक के रूप में आपकी भूमिका का वर्णन कीजिए।
16. **माध्यमिक विद्यालयों के लिए निर्देशन कार्यक्रम:** भारतीय माध्यमिक विद्यालयों (Indian Secondary Schools) के स्तर पर क्रियान्वित किए जाने वाले एक 'न्यूनतम आवश्यक निर्देशन कार्यक्रम' (Minimum essential Guidance programme) की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

Unit 4: मूल्य शिक्षा और शांति शिक्षा (Education for Values and Peace Education)

17. **मूल्यों की अवधारणा और प्रकार:** मूल्य (Values) से क्या तात्पर्य है? भारतीय संविधान में अंतर्निहित मूल्यों (Values enshrined in Indian Constitution), सौंदर्यपरक मूल्यों (Aesthetic values) और आध्यात्मिक मूल्यों (Spiritual Values) की व्याख्या कीजिए।
18. **सार्वभौमिक, नैतिक और आचार मूल्य:** मानव कल्याण के लिए सार्वभौमिक मूल्यों (Universal Values), नैतिक मूल्यों (Moral values) और आचार मूल्यों (Ethical values) के महत्व को स्पष्ट करते हुए समझाइए कि समाज में मूल्यों का क्षरण या रूपांतरण (Transformation of Values) कैसे हो रहा है।

19. **मूल्य शिक्षा के लिए सांमतियाँ और नीतियाँ:** भारत में मूल्य शिक्षा (Value Education) को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सांमतियों, आयोगों और नीतिगत निर्देशों (Policy Directives) द्वारा दी गई मुख्य सिफारिशों को समीक्षा कीजिए।

20. **मूल्य निर्धारण के तरीके और शिक्षक की भूमिका:** विद्यालयों में मूल्य उन्मुखीकरण की प्रमुख समस्याओं (Major issues related to value Education) को रेखांकित कीजिए तथा मूल्य विकास की शिक्षण विधियों, मूल्यांकन तकनीकों और इसमें शिक्षक व स्कूल की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

21. **शांति शिक्षा और समकालीन संघर्ष (Education for Peace):** शांति शिक्षा से क्या अभिप्राय है? राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले द्वंद्वों/संघर्षों (National and International conflicts), सामाजिक अन्याय (Social injustice) और साम्प्रदायिक संघर्षों (Communal conflict) के कारणों का वर्णन कीजिए।

22. **व्यक्तिगत अलगाव और शांति संवर्धन:** आधुनिक युग में विश्वों के बीच बढ़ते व्यक्तिगत अलगाव (Individual alienation) की आलोचनात्मक समझ प्रस्तुत कीजिए तथा शांति संवर्धन में विद्यालय, सामाजिक संगठनों (जैसे **UNESCO**) और नागरिकों की भूमिका की विवेचना कीजिए।

Unit 5: शिक्षकों के लिए संचार कौशल (Communication Skills for the Teachers)

23. **शिक्षक के लिए संचार की अवधारणा:** सम्प्रेषण/संचार (Communication) का अर्थ और इसके प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए। एक प्रभावी सम्प्रेषण स्थापित करने के लिए संचार के '7 Cs' के सिद्धांतों (7 C's of Communication) की सविस्तार व्याख्या कीजिए।

24. **तकनीक आधारित व दृश्य-श्रव्य संचार:** आधुनिक शिक्षण में कंप्यूटर आधारित संचार (Computer based communication) और दृश्य-श्रव्य संचार (Audio-Visual-Communication) की रणनीतियों, उपयोगिता और सीमाओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

25. **अशाब्दिक कक्षा शिक्षण का महत्व:** कक्षा-कक्ष शिक्षण में अशाब्दिक संचार (Importance of Non verbal Communication Teaching) जैसे—शारीरिक हाव-भाव, मुख-मुद्रा और सांकेतिक व्यवहार के महत्व को सोदाहरण समझाइए।

26. **श्रवण और वाचन कौशल (Listening & Speaking Skills):** शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सुनने और बोलने के कौशलों के विकास के महत्व को स्पष्ट कीजिए तथा सम्प्रेषण के मार्ग में आने वाली प्रमुख बाधाओं (Barriers) को दूर करने के उपाय बताइए।

27. **प्रभावी प्रस्तुतीकरण कौशल:** एक शिक्षक के लिए कक्षा में प्रभावी प्रस्तुतीकरण (Effective Presentation) तैयार करने के मुख्य सोपानों, सहायक सामग्रियों के चयन और मंच प्रस्तुति के सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

28. **शिक्षकों के लिए लिखित संचार (Written Communication):** विद्यालयी प्रबंधन में शिक्षकों के लिए लिखित संचार की आवश्यकता क्यों है? परिपत्र (Circulars) और सूचनाओं (Notices) के प्रारूप और उनके लेखन के मुख्य नियमों को स्पष्ट कीजिए।

29. **आदेश, रिपोर्ट और कार्यवृत्त लेखन:** एक शिक्षक या शैक्षिक प्रबंधक के रूप में प्रशासनिक आदेश (Orders), किसी शैक्षिक भ्रमण की आधिकारिक रिपोर्ट (Report) और बैठकों के कार्यवृत्त/मिनट्स (Minutes) लिखने की कला और प्रारूप का सविस्तार वर्णन कीजिए।

30. **संचार कौशलों का एकीकृत मूल्यांकन:** कक्षा के भीतर एक जीवंत और द्वि-मार्गी अंतःक्रिया वातावरण (Interactive Classroom Environment) निर्मित करने में शिक्षक के मौखिक, लिखित और अशाब्दिक संचार कौशलों के समन्वय की भूमिका पर एक निबंध लिखिए।

भाषा एवं पाठ्यचर्या के आर–पार

प्रश्नपत्र –V

Unit-I: भाषा और समाज (Language and Society)

भाषा एवं पाठ्यचर्या के आर-पार

प्रश्नपत्र –V

1. **नियम-शासित प्रणाली के रूप में भाषा:** "भाषा एक नियम-शासित प्रणाली (Rule governed system) है" इस कथन का अर्थ और प्रत्यय स्पष्ट करते हुए भाषा के दैनिक जीवन और शिक्षा में उपयोग की विवेचना कीजिए।
2. **भाषा और समाज का अंतर्संबंध:** समाज में भाषा किस प्रकार व्यक्ति की पहचान (Identification), सामाजिक शक्ति (Power) और सामाजिक भेदभाव (Discrimination) को निर्धारित करती है? सविस्तार समझाइए।
3. **बहुभाषावाद का स्वरूप और प्रबंधन:** बहुभाषावाद (Multilingualism) की प्रकृति को स्पष्ट कीजिए एक शिक्षक के रूप में कक्षा-कक्ष में विविध भाषाई पृष्ठभूमि वाले बच्चों का प्रबंधन (Managing multilingualism in classroom) आप कैसे करेंगे?
4. **भाषाओं की संवैधानिक स्थिति:** भारतीय संविधान में भाषाओं की संवैधानिक स्थिति (Constitutional status of languages) क्या है? विशेष रूप से **हिन्दी (राजभाषा)**, अंग्रेजी (सह-राजभाषा) और **क्षेत्रीय भाषाओं** से जुड़े कानूनी प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।
5. **शिक्षा में भाषा नीति:** भारत में स्वतंत्रता के बाद से शिक्षा में भाषा नीति (Language policy in Education) के ऐतिहासिक विकास पर प्रकाश डालिए तथा **त्रि-भाषा सूत्र** (Three-Language Formula) की समीक्षा कीजिए।

Unit- II: भाषा विकास (Language development)

6. **भाषा विकास के सिद्धांत:** बालकों में भाषा विकास के प्रमुख मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों (Theories of language development) की व्याख्या कीजिए तथा कक्षा शिक्षण में इनके व्यावहारिक क्रियान्वयन (Implementation) को स्पष्ट कीजिए।
7. **भाषा के मनोवैज्ञानिक आधार:** भाषा सीखने के मनोवैज्ञानिक आधारों (Psychological basis of language) का वर्णन कीजिए बालक की सोचने और समझने की क्षमता भाषा से किस प्रकार जुड़ी है?
8. **सामाजिक उद्दीपन और भाषा विकास:** विभिन्न आयु वर्गों में सामाजिक उद्दीपन जैसे—शारीरिक हाव-भाव (Gestures), संवेगात्मक मुख-मुद्रा (Emotional facial expression),

शारीरिक मुद्रा और गतियों (Posture and movements) के माध्यम से भाषा विकास की प्रक्रिया को समझाइए।

9. **वाणी/वाक् दोष (Speech Defects):** बच्चों में पाए जाने वाले प्रमुख वाणी दोषों जैसे— तुतलाना (Lisping), अस्पष्ट बोलना (Slurring), हकलाना (Stuttering/Stammering) के कारणों का वर्णन कीजिए तथा इनके निवारण में शिक्षक की भूमिका (Role of teacher in its resolution) स्पष्ट कीजिए।
10. **भाषा अधिगम की बाधाएं:** बालक के भाषा सीखने के मार्ग में आने वाली शारीरिक (Physical), पर्यावरणीय (Environmental), सामाजिक (Social) और मनोवैज्ञानिक बाधाओं (Psychological barriers) का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

Unit-III: भाषा अर्जन (Language acquisition)

11. **हिन्दी वर्णमाला का तार्किक वर्गीकरण:** हिन्दी वर्णमाला (Hindi alphabets) की वैज्ञानिकता को स्पष्ट कीजिए तथा इसके तार्किक और सरल वर्गीकरण (Logical & simple classification) को सविस्तार व्याख्या कीजिए।
12. **भाषा अर्जन और संज्ञानात्मक विकास:** भाषा अर्जन (Language acquisition) और भाषा अधिगम में अंतर स्पष्ट कीजिए बालक के संज्ञानात्मक विकास (Cognitive development) में भाषा अर्जन किस प्रकार सहायक है?
13. **आनंदमयी अधिगम (Learning languages with fun):** प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के बच्चों को खेल-खेल में या आनंदमयी वातावरण में भाषा सिखाने (Learning languages with fun) की विभिन्न शिक्षण विधियों और रणनीतियों का वर्णन कीजिए।
14. **भाषा के माध्यम से संस्कृति अर्जन:** "भाषा संस्कृति की संवाहक है" इस कथन के आलोक में समझाइए कि बालक भाषा के माध्यम से अपनी संस्कृति का अर्जन (Culture acquisition through language) और संरक्षण कैसे करता है।

Unit-IV: कक्षा-कक्षा और भाषा (Classroom and Language)

15. **शब्दावली निर्माण की रणनीतियाँ:** कक्षा-कक्षा में छात्रों के शब्द भंडार को बढ़ाने के लिए शब्दावली निर्माण की विभिन्न रणनीतियों (Vocabulary building strategies in classroom) का सोदाहरण वर्णन कीजिए
16. **भाषा अधिगम के प्रमुख साधन:** भाषा सीखने के सशक्त टूल्स/साधनों के रूप में शब्दकोश (Dictionary), सामूहिक चर्चा (Discussion), स्वाभाविक व्याख्या (Natural exposition) और शब्द पहेलियों (Word puzzles) की भूमिका स्पष्ट कीजिए
17. **शिष्ट अभिव्यक्तियाँ और भाषा का उदात्त स्वरूप:** कक्षा के भीतर और बाहर शिष्ट या विनम्र अभिव्यक्तियों (Courteous expressions) के महत्व को समझाइए तथा भाषा के उदात्त/उत्कृष्ट आयाम (Sublime aspect of language) पर प्रकाश डालिए
18. **कक्षा में भाषा के कार्य:** एक शिक्षण संस्थान में भाषा के विभिन्न कार्यों (Function of language) की विवेचना कीजिए ज्ञान प्राप्त करने और विचारों के आदान-प्रदान में यह कैसे उपकरण का कार्य करती है?
19. **कक्षा-कक्षा एक भाषा प्रयोगशाला के रूप में:** आधुनिक विद्यालय में 'भाषा प्रयोगशाला' (Language laboratory) की अवधारणा क्या है? एक सामान्य कक्षा-कक्षा को भाषा प्रयोगशाला के रूप में कैसे स्थापित (Classroom set up) किया जा सकता है?
20. **भाषा अधिगम में साहित्य की भूमिका:** भाषा सीखने में साहित्य (Literature) की क्या भूमिका है? साहित्य को समझने और उसकी समीक्षा करने में शिक्षार्थियों की भूमिका (Learners' role on understanding literature) का वर्णन कीजिए

Unit-V: LSWR भाषा के बुनियादी कौशल के रूप में (LSWR as basic skills for languages)

21. **पठन एवं लेखन कौशल का विकास:** माध्यमिक स्तर के छात्रों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पठन (Reading) और लेखन (Writing) कौशलों के विकास की कार्यप्रणाली का वर्णन कीजिए

22. **विवरणपरक बनाम कथात्मक पाठ:** विवरणपरक पाठ (Expository texts) और कथात्मक पाठ (Narrative texts) में मूल अंतर स्पष्ट कीजिए तथा दोनों के शैक्षिक महत्व की विवेचना कीजिए।

23. **व्यावसायिक बनाम चिंतनशील पाठ:** व्यावसायिक/लेनदेन संबंधी पाठ (Transactional texts) और चिंतनशील पाठ (Reflective texts) की प्रकृति और अंतर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

24. **प्रभावी श्रवण और वाचन की तकनीकें:** प्रभावी वाचन/बोलने (Effective Listening & Speaking) के प्रमुख तत्वों जैसे—शुद्ध उच्चारण (Pronunciation), स्पष्ट उच्चारण (Enunciation), यति/विराम (Pause), सुर-लय (Intonation) और आवाज के उतार-चढ़ाव (Pitch Raising & Dropping) की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

25. **संचार के '3 V' के सिद्धांत:** भाषा सम्प्रेषण में '3 V' के सिद्धांतों—**Vocal** (कंठस्वरीय), **Visual** (दृश्य) और **Verbal** (शाब्दिक) के अर्थ और इनके पारस्परिक महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

26. **पाठ्यपुस्तकें और पठन रणनीतियाँ:** बच्चों के लिए पाठ्यपुस्तकों के चयन के मानदंड क्या होने चाहिए? पठन की प्रमुख रणनीतियों जैसे—संकेत बनाना/नोट्स लेना (Note making) और सारांशीकरण (Summarizing) की प्रक्रियाओं को समझाइए।

27. **पठन और लेखन का अंतर्संबंध:** भाषा सीखने में पढ़ने और लिखने के अंतर्संबंध (Reading and writing connection) को स्पष्ट कीजिए तथा बिना अच्छे पठन के अच्छा लेखन संभव है? तार्किक उत्तर दीजिए।

28. **प्रक्रिया लेखन (Process writing):** प्रक्रिया लेखन से क्या तात्पर्य है? बच्चों की लेखन क्षमता को समझने और उनकी मौलिक सोच को परखने के लिए बच्चों के लेखन का विश्लेषण (Analyse children's writing) करने की विधियाँ सुझाइए।

29. **उद्देश्यपूर्ण लेखन की कला:** छात्रों में एक निश्चित उद्देश्य के साथ लिखने की भावना (Writing with a sense of purpose) तथा सीखने व समझने के लिए लिखने (Writing to learn and understand) की क्षमता विकसित करने के उपायों पर प्रकाश डालिए।

30. **भाषा कौशलों का एकीकृत मूल्यांकन:** 'पाठ्यक्रम में भाषा' (Language Across the Curriculum) के दृष्टिकोण से श्रवण, वाचन, पठन और लेखन (LSWR) कौशलों के एकीकृत मूल्यांकन की आधुनिक विधियों और एक शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

कला एवं सौन्दर्य शिक्षा

प्रश्नपत्र –VIII

Unit – 1: कला शिक्षण की प्रकृति और क्षेत्र (Nature and Scope of Art teaching)

1. **कला और सौंदर्यशास्त्र की अवधारणा:** माध्यमिक स्तर की स्कूली शिक्षा के संदर्भ में कला (Art), सौंदर्यशास्त्र (Aesthetics) और कला शिक्षण के अर्थ, प्रकृति तथा इसके वास्तविक कार्यक्षेत्र (Scope) की सविस्तार विवेचना कीजिए।
2. **सामान्य शिक्षा में कला का स्थान:** "कला केवल एक पाठ्येतर गतिविधि नहीं है, बल्कि यह शिक्षा का मूल आधार है।" इस कथन के आलोक में सामान्य शिक्षा में कला के स्थान (The place of art in general education) का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
3. **कला के शैक्षिक मूल्य:** कला शिक्षा के विभिन्न शैक्षिक मूल्यों (Education Values of Art) पर प्रकाश डालिए तथा स्पष्ट कीजिए कि कला विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में किस प्रकार सहायक है।
4. **कला का अन्य स्कूली विषयों से संबंध:** कला का पाठ्यक्रम के अन्य मुख्य विषयों (जैसे— विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषा) के साथ अंतर्संबंधों (Relationship with other school subjects) को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
5. **भारतीय संस्कृति और मूल्यों में कला:** भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों के संरक्षण तथा हस्तांतरण में कला की भूमिका (Role of Art is Indian culture and values) का तार्किक विश्लेषण कीजिए।
6. **कला और समाज:** कला और समाज (Art and Society) के पारस्परिक संबंधों की व्याख्या कीजिए। समाज किस प्रकार कला को प्रभावित करता है और कला किस प्रकार सामाजिक बदलाव का माध्यम बनती है?

Unit – 2: कला शिक्षण की विधियाँ और तकनीकें (Methods and Techniques of Art Teaching)

7. **कला शिक्षण के लक्ष्य और उद्देश्य:** कला शिक्षण के मुख्य लक्ष्यों और उद्देश्यों (Aims and objectives of Art Teaching) की विवेचना कीजिए। कला के अधिगम प्रतिफलों

(Outcomes) को निर्धारित करने में **ब्लूम के वर्गीकरण उपागम (Bloom's approach)** के अनुप्रयोग को स्पष्ट कीजिए।

8. **कला शिक्षण के विभिन्न उपागम:** आधुनिक विद्यालयों में कला शिक्षण के विभिन्न उपागमों (Approaches and Methods of teaching Art) का वर्णन कीजिए तथा छात्र-केंद्रित कला शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालिए।
9. **प्रदर्शन विधि (Demonstration method):** कला शिक्षण में प्रदर्शन विधि से क्या तात्पर्य है? चित्रकला या हस्तशिल्प सिखाते समय इस विधि के विभिन्न सोपानों, गुणों और सीमाओं को सविस्तार व्याख्या कीजिए।
10. **प्रयोगात्मक विधि (Experimental method):** कला के क्षेत्र में प्रयोगात्मक विधि की कार्यप्रणाली को स्पष्ट कीजिए। छात्र स्वयं प्रयोग करके (जैसे रंगों का मिश्रण, विभिन्न माध्यमों का उपयोग) कलात्मक कौशल कैसे सीखता है?
11. **परियोजना विधि (Project method):** कला शिक्षा में परियोजना विधि के क्रियान्वयन के चरणों का वर्णन कीजिए। विद्यालय स्तर पर कला से जुड़ी एक आदर्श परियोजना योजना (Project plan) की रूपरेखा तैयार कीजिए।
12. **कला शिक्षण विधियों का तुलनात्मक विश्लेषण:** प्रदर्शन, प्रयोगात्मक और परियोजना विधि में से माध्यमिक स्तर के छात्रों के लिए कौन सी विधि सर्वाधिक उपयुक्त है? सविवेक तुलना प्रस्तुत कीजिए।

Unit - 3: शिक्षण-अधिगम संसाधन और कला शिक्षा की योजना (Planning of Art Education)

13. **मानव संसाधन और मौखिक आंकड़े:** कला शिक्षा में 'लोग एक संसाधन के रूप में' (People as resource) की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए तथा स्थानीय लोक कलाकारों से प्राप्त मौखिक आंकड़ों के महत्व (Significance of oral data) की विवेचना कीजिए।
14. **कला में पाठ योजना (Lesson Plan):** कला शिक्षण में पाठ योजना का क्या अर्थ है? इसकी आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए माध्यमिक कक्षा के लिए चित्रकला या किसी हस्तशिल्प विषय पर एक आदर्श पाठ योजना का प्रारूप तैयार कीजिए।
15. **इकाई योजना और वार्षिक योजना:** इकाई योजना (Unit plan) और वार्षिक योजना (Annual plan) के संप्रत्यय, आवश्यकता और इनके निर्माण की प्रक्रिया का सविस्तार वर्णन कीजिए।

16. **स्कूली शिक्षा में कला का पाठ्यक्रम:** विद्यालयी अनुदेशन के लिए कला के पाठ्यक्रम (Curriculum in Art for school instruction) के सिद्धांतों और इसकी वर्तमान संरचना की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

17. **मुगल और पहाड़ी कला शैली:** भारतीय कला इतिहास के संदर्भ में मुगल कला शैली (Mugal art style) और पहाड़ी कला शैली (Pahari art style) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, मुख्य विशेषताओं और विकास का वर्णन कीजिए।

18. **राजस्थानी कला शैली (Rajasthani art style):** राजस्थानी कला शैली की प्रमुख उप-शैलियों (जैसे—मेवाड़, मारवाड़, किशनगढ़ शैली आदि) का परिचय दीजिए तथा इसकी अद्वितीय विशेषताओं पर एक विस्तृत निबंध लिखिए।

Unit - 4: संगीत, नृत्य और नाटक की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (Historical Background of Music Dance & Drama)

19. **भारतीय संगीत का इतिहास:** भारतीय संदर्भ में संगीत के ऐतिहासिक विकास (The History of music in Indian context) पर प्रकाश डालिए। प्राचीन काल से आधुनिक काल तक संगीत में आए मुख्य बदलावों को रेखांकित कीजिए।

20. **भारतीय नाटक और रंगमंच का इतिहास:** भारतीय संदर्भ में नाटक और रंगमंच के इतिहास (The History of Drama in Indian context) की विवेचना कीजिए। शास्त्रीय संस्कृत नाटकों से लेकर आधुनिक मंचीय नाटकों के विकास की यात्रा को समझाइए।

21. **भारतीय नृत्य कला का इतिहास:** भारतीय संदर्भ में नृत्य के इतिहास (The History of Dance in Indian context) का सविस्तार वर्णन कीजिए तथा भारतीय संस्कृति में नृत्य के धार्मिक और सामाजिक महत्व को स्पष्ट कीजिए।

22. **प्रदर्शनकारी कलाओं का शास्त्रीय स्वरूप:** संगीत, नृत्य और नाटक के पारंपरिक व शास्त्रीय स्वरूपों का भारतीय कला विरासत को समृद्ध करने में योगदान का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

Unit - 5: संगीत, नृत्य और नाटक की समझ (Understanding Music, Dance & Drama)

23 संगीत के बुनियादी तत्व: संगीत के मूल तत्वों का परिचय दीजिए:

- ध्वनि और स्वर (Sound and Swar)
- सप्तक और अलंकार (Saptak and Alankar)
- लय और ताल (Laya and Taal)

24. **भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण:** भारतीय संगीत में प्रयुक्त होने वाले वाद्यों के विभिन्न प्रकारों—तन्तु (तार वाले), अवनद्ध (चमड़े मढ़े हुए/ढोल), सुषिर (फूंक वाले/बांसुरी) और घन (धातु वाले/मंजीरा) वाद्यों को सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

25. **लोक संगीत और लोकगीत:** लोक संगीत (Folk music), लोकगीतों और पारंपरिक लोक वाद्यों की प्रकृति को स्पष्ट कीजिए। राजस्थान के लोक संगीत की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

26. **नृत्य कला और लोक नृत्य:** नृत्य कला की विधाओं को स्पष्ट कीजिए। राजस्थान के प्रमुख लोक नृत्यों (जैसे—घूमर, कालबेलिया, चरी आदि) की कलात्मकता और सांस्कृतिक महत्व की विवेचना कीजिए।

27. **नाटक की विभिन्न विधाएं:** नाटक की विभिन्न विधाओं जैसे—मंचीय नाटक (Stage Play), नुक्कड़ नाटक (Street Play/Nukkad Natak) और एकांकी (One-act play) के स्वरूप और उनके शैक्षिक उपयोग का वर्णन कीजिए।

28. **मूक अभिनय और इंप्रोवाइजेशन नाटक:** मूक अभिनय नाटक (Mime), एकाभिनय (Solo acting) और इंप्रोवाइजेशन नाटक (तत्काल कल्पित नाटक) के अर्थ को स्पष्ट करते हुए नाटक के मंचीय अंश और नेपथ्य अंश (Backstage) की भूमिका समझाइए।

29. **पुतली-नाटक (Puppetry):** शिक्षा के एक सशक्त माध्यम के रूप में पुतली-नाटक (Puppet theatre) के महत्व को रेखांकित कीजिए। इसकी निर्माण प्रक्रिया (Construction) और संचालन प्रक्रिया (Operation) का सविस्तार वर्णन कीजिए।

30. **कला विधाओं का एकीकृत शैक्षिक महत्व:** कक्षा-कक्ष में संगीत, नृत्य और नाटक के तत्वों का एकीकरण करके शिक्षण को किस प्रकार प्रभावी और आनंदमयी बनाया जा सकता है? व्यावहारिक रणनीतियाँ सुझाइए।

स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा

प्रश्नपत्र –IX

Unit-I: स्वास्थ्य और शारीरिक कार्यप्रणाली (Health and Body Functioning)

1. **स्वास्थ्य की समग्र अवधारणा:** स्वास्थ्य का अर्थ और परिभाषाएं स्पष्ट कीजिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों (Dimensions) और इसके निर्धारकों (Determinants) की सविस्तार विवेचना कीजिए
2. **बच्चों और किशोरों की स्वास्थ्य आवश्यकताएं:** सामान्य बच्चों और किशोरों (Adolescents) की विकासात्मक स्वास्थ्य आवश्यकताओं का वर्णन कीजिए एक शिक्षक के रूप में आप इनको पूर्ण कैसे सुनिश्चित करेंगे?
3. **दिव्यांग बच्चों की स्वास्थ्य आवश्यकताएं:** विशिष्ट आवश्यकता वाले या दिव्यांग बच्चों (Differently-abled children) की विशेष स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, आवश्यकताओं और उनके समावेशन के लिए विद्यालयी रणनीतियों पर प्रकाश डालिए
4. **कंकाल और पेशी तंत्र की समझ:** मानव शरीर के कंकाल तंत्र (Skeleton System) और पेशी तंत्र (Muscular System) की संरचना को समझाइए शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से इनके महत्व की विवेचना कीजिए
5. **श्वसन और परिसंचरण तंत्र:** श्वसन तंत्र (Respiratory System) और रक्त परिसंचरण तंत्र (Circulatory System) की कार्यप्रणाली का वर्णन कीजिए नियमित व्यायाम का इन प्रणालियों पर क्या प्रभाव पड़ता है?
6. **पाचन तंत्र और शारीरिक स्वास्थ्य:** पाचन तंत्र (Digestive System) की संरचना और भोजन पचने की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए प्रमुख आदतों का उल्लेख कीजिए
7. **हड्डियों, मांसपेशियों और जोड़ों के कार्य:** मानव शरीर की गतिशीलता सुनिश्चित करने में हड्डियों (Bones), मांसपेशियों (Muscles) और जोड़ों (Joints) के कार्यों व उनके आपसी समन्वय की तार्किक व्याख्या कीजिए
8. **हड्डियों की सामान्य चोटें:** खेल के मैदान में या सामान्य जीवन में होने वाली हड्डियों की चोटों (यथा—अस्थिभंग/Fracture, मोच/Sprain, जोड़ों का विस्थापन) के लक्षण और प्राथमिक उपचार का वर्णन कीजिए

9. **सामान्य स्वास्थ्य समस्याएं और बीमारियां:** स्कूली बच्चों में पाई जाने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं और संक्रामक/गैर-संक्रामक बीमारियों के मुख्य कारण (Causes), उनके लक्षण, रोकथाम (Prevention) और उपचार (Cure) की विवेचना कीजिए।

10. **टीकाकरण (Immunisation) का महत्व:** टीकाकरण से क्या तात्पर्य है? बच्चों और किशोरों को विभिन्न जानलेवा बीमारियों से बचाने में राष्ट्रीय टीकाकरण सारणी (Immunisation Schedule) और इसके शैक्षिक महत्व को स्पष्ट कीजिए।

11. **प्राथमिक चिकित्सा (First Aid) के सिद्धांत:** प्राथमिक चिकित्सा की अवधारणा, इसके बुनियादी सिद्धांतों और प्राथमिक चिकित्सा पेटी (First Aid Box) की आवश्यक सामग्रियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिए।

12. **आपातकालीन स्थितियों में शिक्षक का दायित्व:** विद्यालय में अचानक किसी बच्चे के बीमार होने, चोट लगने या बेहोश होने पर एक शिक्षक द्वारा अपनाई जाने वाली प्राथमिक चिकित्सा प्रक्रियाओं (First aid procedures) की रूपरेखा तैयार कीजिए।

Unit-II: भोजन और पोषण (Food and Nutrition)

13. **भोजन और पोषण का प्रत्यय:** भोजन (Food) और पोषण (Nutrition) को परिभाषित कीजिए। मानव शरीर के समुचित विकास और ऊर्जा उत्पादन में पोषण की भूमिकता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

14. **भोजन की आदतें और सही समय:** उत्तम स्वास्थ्य के लिए भोजन की स्वस्थ आदतों (Food habits) और भोजन करने के सही समय/अंतराल (Timing of food) के वैज्ञानिक महत्व की सविस्तार व्याख्या कीजिए।

15. **प्रमुख पोषक तत्व और उनके कार्य (Part 1):** मानव शरीर के लिए आवश्यक मैक्रो-पोषक तत्वों—**कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा** के मुख्य स्रोत, कार्य और शरीर में इनकी कमी या अधिकता के प्रभावों का वर्णन कीजिए।

16. **प्रमुख पोषक तत्व और उनके कार्य (Part 2):** माइक्रो-पोषक तत्वों—**विटामिन** (A, B, C, D, E, K), **खनिज लवण** (कैल्शियम, आयरन, आयोडीन आदि) और जल के स्वास्थ्य संबंधी महत्व व कार्यों की विवेचना कीजिए।

17. **भारतीय भोजन की विविधता:** भारत के विभिन्न राज्यों में पाई जाने वाली भोजन की विविधता (Diversity of Indian food) का परिचय दीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि यह विविधता पोषण की दृष्टि से कैसे संतुलित है।

18. **मौसमी भोजन और त्योहार:** भारतीय संस्कृति में मौसम के अनुसार भोजन (Seasonal foods) बदलने और त्योहारों (Festivals) पर बनने वाले विशिष्ट पकवानों के पीछे छिपे वैज्ञानिक और स्वास्थ्य संबंधी दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

19. **भोजन का अर्थशास्त्र (Economics of Food):** भोजन के अर्थशास्त्र से क्या तात्पर्य है? एक मध्यमवर्गीय या निम्न-आर्थिक पृष्ठभूमि के परिवार के लिए कम बजट में अधिकतम पोषण युक्त भोजन प्राप्त करने की रणनीतियों का वर्णन कीजिए।

20. **पकाने के दौरान पोषक मूल्यों का संरक्षण:** भोजन पकाते समय (Cooking) होने वाली उन सामान्य गलतियों को रेखांकित कीजिए जिनसे पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। पोषक मूल्यों को अक्षुण्ण रखने (Preservation of food value) की सर्वोत्तम विधियाँ सुझाइए।

21. **भोजन संरक्षण के स्वदेशी तरीके:** भारतीय घरों में भोजन को लंबे समय तक सुरक्षित रखने (Food Preservation) के पारंपरिक व स्वदेशी तरीकों (जैसे—सुखाना, अचार बनाना, मुरब्बा बनाना, नमक/चीनी का उपयोग) का विस्तृत वर्णन कीजिए।

22. **भोजन संरक्षण के आधुनिक तरीके:** भोजन को खराब होने से बचाने की आधुनिक तकनीकों (यथा—पाश्चुरीकरण, रेफ्रिजरेशन, कैनिंग, वैक्यूम पैकेजिंग) की कार्यप्रणाली, लाभ और सीमाओं की समीक्षा कीजिए।

23. **खाद्य आदतों में बदलाव और वैश्वीकरण:** वैश्वीकरण (Globalisation) के इस दौर में बच्चों और युवाओं की खाद्य आदतों में आए बदलाव (जैसे—जंक फूड, फास्ट फूड का अत्यधिक सेवन) और स्वास्थ्य पर इसके प्रतिकूल प्रभावों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

24. **खाद्य स्वच्छता (Food Hygiene):** भोजन की स्वच्छता से क्या अभिप्राय है? कच्चे माल की खरीद, भंडारण, पकाने और परोसने के स्तर पर खाद्य स्वच्छता के किन नियमों का पालन किया जाना अनिवार्य है?

25. **आयु और लिंग के अनुसार पथ्य आवश्यकताएं:** किसी व्यक्ति की आयु (शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, वृद्धावस्था) और लिंग (पुरुष व महिला) के अनुसार मानव शरीर की पथ्य/आहार संबंधी आवश्यकताओं (Dietary requirements) में आने वाले अंतर को स्पष्ट कीजिए।

26. **व्यवसाय और खेल भावना के अनुसार आहार:** शारीरिक श्रम करने वाले और मानसिक श्रम करने वाले व्यक्तियों (Diet according to occupation) तथा खिलाड़ियों के लिए खेल भावना व

शारीरिक दक्षता (Sports-personship) को बनाए रखने वाले विशिष्ट आहार की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए

27. **गर्भावस्था में पोषण की आवश्यकता:** गर्भावस्था (Pregnancy) के दौरान एक महिला के शरीर में होने वाले परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए उसके लिए आवश्यक अतिरिक्त पोषण और संतुलित आहार नियोजन की विवेचना कीजिए

28. **आहार नियोजन की आवश्यकता:** आहार नियोजन (Diet planning) से क्या तात्पर्य है? एक परिवार या विद्यालयी हॉस्टल के लिए संतुलित साप्ताहिक आहार चार्ट (Diet Chart) तैयार करने के मुख्य सिद्धांतों और इसकी आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए

29. **कुपोषण (Malnutrition):** कुपोषण का अर्थ, इसके मुख्य कारण और भारत में स्कूली बच्चों के बीच कुपोषण की व्यापक समस्या के समाधान के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों (जैसे—मिड डे मील/पीएम पोषण) की समीक्षा कीजिए

30. **अभावजन्य रोग (Deficiency Diseases):** पोषक तत्वों की कमी से होने वाले प्रमुख अभावजन्य रोगों (जैसे—नाशिशोरकोर, मरास्मस, एनीमिया, रिकेट्स, घेंघा, स्कॉर्वी आदि) के लक्षण, कारण और उनके सुरक्षात्मक उपायों (Prevention measures) का संक्षिप्त वर्णन कीजिए

Unit-III: शारीरिक दक्षता, संरक्षा एवं सुरक्षा (Physical fitness safety & Security)

1. **शारीरिक दक्षता (Physical Fitness):** शारीरिक दक्षता का अर्थ और परिभाषाएं स्पष्ट कीजिए इसके विभिन्न घटकों जैसे—शक्ति (Strength), सहनशीलता (Endurance) और लचीलापन (Flexibility) का संक्षिप्त वर्णन कीजिए

2. **खेल कौशल और शारीरिक दक्षता:** बुनियादी खेल कौशलों (Sports skills) की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए तथा समझाइए कि नियमित शारीरिक गतिविधियों से ये कौशल कैसे जुड़े होते हैं।

3. **स्वदेशी एवं आत्मरक्षा गतिविधियां:** स्कूली पाठ्यक्रम में स्वदेशी खेलों (Indigenous activities) और आत्मरक्षा की तकनीकों (Self-defence activities) को शामिल करने की आवश्यकता और इसके शैक्षिक महत्व की विवेचना कीजिए

4. **विद्यालयी आपदा प्रबंधन (Disasters in schools):** विद्यालय के भीतर और बाहर आने वाली विभिन्न प्राकृतिक व मानव-निर्मित आपदाओं (Disasters in and outside schools) के प्रकारों की रेखांकित कीजिए तथा उनके प्रबंधन की रणनीतियाँ बताइए

5. **आपदाओं से सुरक्षा और रोकथाम के उपाय:** किसी आपातकालीन आपदा की स्थिति में छात्रों की सुरक्षा और संरक्षा (Safety and security) सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों द्वारा अपनाए जाने वाले निवारक कदमों (Ways of prevention) का वर्णन कीजिए।
6. **जानवरों के हमलों से सुरक्षा:** समाज और विद्यालयी परिवेश में साँप (Snake) और कुत्तों के काटने (Dog bites) या अन्य जंगली जानवरों के हमलों (Animal attacks) से बचाव, सुरक्षा नियमों और उनके तुरंत प्राथमिक उपचार व वैज्ञानिक रोकथाम (Prevention and treatment) की विस्तृत विवेचना कीजिए।

Unit-IV: खेलकूद एवं स्वास्थ्य (Sports & Health)

7. **खेलकूद और एथलेटिक्स:** खेलकूद (Games and sports) की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। सामान्य शारीरिक फिटनेस अभ्यासों के रूप में एथलेटिक्स (Athletics) और रिले रेस (Relays) के स्वास्थ्य संबंधी लाभों का वर्णन कीजिए।
8. **भारतीय और पारंपरिक खेल:** प्रमुख भारतीय और पारंपरिक खेलों (Major Indian and traditional games) जैसे—कबड्डी, खो-खो आदि के नियमों, स्वरूप और बालक के शारीरिक व सामाजिक विकास पर इनके प्रभावों की समीक्षा कीजिए।
9. **पाश्चात्य खेल और आधुनिक जीवन:** प्रमुख पाश्चात्य खेलों (Western games) के विकास पर प्रकाश डालिए तथा स्पष्ट कीजिए कि ये खेल आधुनिक जीवनशैली में शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में कैसे सहायक हैं।
10. **लयबद्ध गतिविधियां और जिमनास्टिक:** लयबद्ध गतिविधियों (Rhythmic activities) और जिमनास्टिक (Gymnastics) का क्या अर्थ है? बालक के शारीरिक संतुलन, मांसपेशियों के समन्वय और समग्र स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव (Their impact on health) का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
11. **योग का शैक्षिक महत्त्व:** योग (Yoga/Yogic practices) की उत्पत्ति और दर्शन को स्पष्ट कीजिए। आधुनिक तनावपूर्ण स्कूली जीवन में विद्यार्थियों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए योग के महत्त्व (Importance of yoga) की विवेचना कीजिए।
12. **योगासन, क्रियाएं और प्राणायाम:** प्रमुख योगासनों (Yogasanas), शुद्धि क्रियाओं (Kriyas) और प्राणायामों (Pranayams) का वर्गीकरण कीजिए तथा श्वसन तंत्र व एकाग्रता को उन्नत करने में इनके वैज्ञानिक लाभों को समझाइए।

Unit-V: संस्थाओं की भूमिका (Role of Institutions)

13. **स्वास्थ्य विकास में विद्यालय की भूमिका:** एक प्राथमिक और माध्यमिक संस्था के रूप में विद्यालय (School as an institution) छात्रों में स्वस्थ आदतों के निर्माण, खेल संस्कृति विकसित करने और शारीरिक शिक्षा को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका कैसे निभा सकता है?

14. **परिवार और स्वास्थ्य:** बालक के प्रारंभिक स्वास्थ्य, पोषण स्तर और खेलों के प्रति रुचि जागृत करने में परिवार (Family) की भूमिका, उत्तरदायित्वों और घरेलू परिवेश के प्रभावों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

15. **खेल संस्थाओं की भूमिका:** देश में खेल प्रतिभाओं को तराशने, खेल सुविधाओं का विकास करने और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में विभिन्न खेल संघों व खेल संस्थाओं (Sports institutions) के योगदान का वर्णन कीजिए।

16. **स्वास्थ्य सेवाएँ और उनके प्रकार:** समकालीन समाज में उपलब्ध विभिन्न प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं (Health services) के स्वरूप, कार्यप्रणाली और आम नागरिकों के लिए उनकी पहुँच की विवेचना कीजिए।

17. **शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी राष्ट्रीय नीतियां:** भारत सरकार द्वारा शारीरिक शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई प्रमुख राष्ट्रीय नीतियों (Policies) और उनके मुख्य मार्गदर्शक सिद्धांतों की समीक्षा कीजिए।

18. **प्रमुख राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम:** देश में बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारने के लिए चलाए जा रहे प्रमुख कार्यक्रमों (Health and physical education-related programmes – जैसे पल्स पोलियो, एनीमिया मुक्त भारत, फिट इंडिया) के उद्देश्यों का मूल्यांकन कीजिए।

19. **खेलों के प्रचार-प्रसार में मीडिया की भूमिका:** प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक जनसंचार माध्यमों (Role of media) द्वारा खेल गतिविधियों को लोकप्रिय बनाने, खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और समाज में स्वास्थ्य चेतना जगाने में निभाई जाने वाली भूमिका पर एक निबंध लिखिए।

20. **स्वास्थ्य गतिविधियों में जनमाध्यमों का प्रभाव:** सोशल मीडिया और टेलीविजन विज्ञापनों का किशोरों के स्वास्थ्य, खान-पान की आदतों और शारीरिक फिटनेस के प्रति दृष्टिकोण (Role of media in health activities) पर पड़ने वाले सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Environmental Studies

Pepar- x

Bed 1st year

Unit – I: पर्यावरण अध्ययन का परिचय (Introduction to Environmental Studies)

1. **पर्यावरण अध्ययन का ज्ञानमीमांसीय आधार:** पर्यावरण अध्ययन (EVS) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट करते हुए इसके दार्शनिक और ज्ञानमीमांसीय आधार (Philosophical and epistemological basis) की सविस्तार व्याख्या कीजिए।
2. **प्राकृतिक और सामाजिक पर्यावरण:** प्राकृतिक और सामाजिक पर्यावरण (Natural and social environment) के प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए। इसके विभिन्न घटकों तथा उनके आपसी संबंधों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
3. **मानव और पर्यावरण की सहजीविता:** "मानव और पर्यावरण एक सहजीवी निर्भरता (Symbiotic dependence) का संबंध साझा करते हैं" इस कथन के आलोक में मानव जीवन पर पर्यावरण के प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।
4. **पर्यावरण अध्ययन की प्रकृति और क्षेत्र:** पर्यावरण अध्ययन (EVS) की वास्तविक प्रकृति (Nature), कार्यक्षेत्र (Scope) और इसके प्रमुख क्रियात्मक क्षेत्रों (Areas) का विस्तृत वर्णन कीजिए।
5. **बहु-अनुशासनात्मक उपागम (Multidisciplinary approach):** पर्यावरण अध्ययन एक एकल विषय न होकर एक समग्र और बहु-अनुशासनात्मक क्षेत्र है, जो विज्ञान और सामाजिक विज्ञान को जोड़ता है। इस कथन की तार्किक व्याख्या कीजिए।
6. **पर्यावरण चेतना में मीडिया और इकोटूरिज्म:** समाज में पर्यावरणीय जागरूकता पैदा करने में जनसंचार माध्यमों (Role of media) और पारिस्थितिकी पर्यटन (Ecotourism) की भूमिका व योगदान की समीक्षा कीजिए।

UNIT – II: पर्यावरण संरक्षण (Environmental conservation)

7. **संरक्षण एवं पुनर्जीवन की अवधारणा:** पर्यावरण संरक्षण एवं पुनर्जीवन (Environmental conservation and regeneration) का अर्थ, प्रत्यय और इसके कार्यक्षेत्र को स्पष्ट करते हुए आधुनिक युग में इसकी अनिवार्य आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।
8. संसाधन संरक्षण में व्यक्ति की भूमिका (जल): प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में 'व्यक्ति की भूमिका' (Role of individual) से क्या तात्पर्य है? जल संसाधन के विवेकपूर्ण उपयोग और संरक्षण के व्यावहारिक उपायों को समझाइए।
9. **संसाधन संरक्षण में व्यक्ति की भूमिका (ऊर्जा व भोजन):** दैनिक जीवन में ऊर्जा (Energy) की बचत करने तथा भोजन (Food) की बर्बादी को रोकने में एक जिम्मेदार नागरिक और छात्र के रूप में व्यक्तिगत स्तर पर क्या प्रयास किए जा सकते हैं?
10. **पर्यावरण संरक्षण में समाज की भूमिका:** समकालीन भारतीय संदर्भ में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 'समाज की भूमिका' (Role of society in conservation) और सामुदायिक भागीदारी के महत्व का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
11. **संसाधनों का दोहन बनाम पुनर्जीवन:** प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से उत्पन्न संकटों को रेखांकित कीजिए तथा संरक्षण और पारिस्थितिकी पुनर्जनन के बीच संतुलन स्थापित करने के उपाय सुझाइए।

Unit – III: सतत विकास (Sustainable development)

12. **सतत विकास की आवश्यकता:** सतत विकास (Sustainable development) का अर्थ, मूल प्रत्यय और वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में इसकी आवश्यकता एवं महत्व की सविस्तार विवेचना कीजिए।
13. **आर्थिक विकास और सतत उपभोग:** आर्थिक विकास (Economic growth) की अंधी दौड़ और सतत उपभोग (Sustainable consumption) के बीच अंतर्संबंधों को स्पष्ट कीजिए। उपभोक्तावादी संस्कृति इसे कैसे बाधित करती है?
14. **जैविक खेती (Organic farming):** जैविक खेती से आप क्या समझते हैं? इसके मूल सिद्धांतों, पर्यावरणीय लाभों और दीर्घकालिक कृषि सुरक्षा में इसके योगदान पर एक निबंध लिखिए।
15. **ऊर्जा और जल उपभोग के बदलते स्वरूप:** समकालीन समय में ऊर्जा और जल उपभोग के बदलते पैटर्न (Changing Patterns of energy and water consumption) के मुख्य कारणों और इसके भावी संकटों का विश्लेषण कीजिए।

16. **सतत कृषि के लिए जैविक नियंत्रण:** सतत कृषि (Sustainable agriculture) के लिए जैविक नियंत्रण (Biological control) की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। रासायनिक कीटनाशकों के विकल्प के रूप में इसके महत्व का वर्णन कीजिए।

17. **वन उत्पादों का सतत उपयोग:** वन उत्पादों के सतत उपयोग (Sustainable use of forest produces) से क्या तात्पर्य है? वनों के संरक्षण के साथ-साथ वनों पर निर्भर स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं की पूर्ति कैसे की जा सकती है?

Unit – IV: पर्यावरण प्रबंधन (Environmental management)

18. **पर्यावरण प्रबंधन का प्रत्यय:** पर्यावरण प्रबंधन (Environmental management) का अर्थ, प्रत्यय और औद्योगिक व शहरी जीवन में इसके महत्व की विस्तृत विवेचना कीजिए।

19. **अपशिष्ट, कचरा और सीवेज प्रबंधन:** आधुनिक शहरों में बढ़ते ठोस अपशिष्ट, कचरा और सीवेज प्रबंधन (Waste, Garbage and sewage management) की वैज्ञानिक विधियों और उनके निस्तारण की चुनौतियों का वर्णन कीजिए।

20. **परमाणु और जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन:** परमाणु अपशिष्ट (Nuclear waste) और अस्पताल से निकलने वाले जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट (Biomedical waste) के प्रबंधन की जटिलताओं, सुरक्षा मानकों और उनके सुरक्षित निस्तारण के उपायों को स्पष्ट कीजिए।

21. **वनोन्मूलन और वनीकरण के उपाय:** वनोन्मूलन (Deforestation) के मुख्य कारणों एवं इसके पर्यावरणीय दुष्परिणामों पर प्रकाश डालिए तथा देश में वनीकरण (Measures for afforestation) को बढ़ावा देने की रणनीतियाँ सुझाइए।

22. **उपभोक्तावाद और कचरा उत्पादन:** आधुनिक उपभोक्तावाद (Consumerism) किस प्रकार अत्यधिक मात्रा में कचरा उत्पादन (Waste generation) के लिए उत्तरदायी है? इसके कुशल प्रबंधन के व्यावहारिक तरीके सुझाइए।

Unit – V: जैव विविधता (Biodiversity)

23. **जैव विविधता के प्रकार:** जैव विविधता (Biodiversity) से क्या अभिप्राय है? इसके अर्थ, प्रत्यय और इसके विभिन्न प्रकारों (जैसे—आनुवंशिक, प्रजातीय और पारिस्थितिक तंत्र विविधता) की सविस्तार व्याख्या कीजिए।

24. **बहुस्तरीय जैव विविधता का महत्व:** वैश्विक (Global), राष्ट्रीय (National) और स्थानीय स्तर (Local level) पर जैव विविधता की आवश्यकता और इसके पारिस्थितिकीय महत्व का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

25. **जैव विविधता संरक्षण की विधियाँ:** जैव विविधता संरक्षण (Biodiversity conservation) की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए तथा इसके संरक्षण की प्रमुख विधियों—**इन-सिटू** (स्व-स्थाने) और **एक्स-सिटू** (बाह्य-स्थाने) का वर्णन कीजिए।

26. **पारंपरिक ज्ञान और संरक्षण:** भारत के पारंपरिक ज्ञान (Traditional knowledge) और सांस्कृतिक लोकाचारों का जैव विविधता संरक्षण के साथ क्या संबंध है? प्राचीन पद्धतियों के उदाहरणों सहित समझाइए।

27. **जीएम फसलें और खाद्य सुरक्षा:** आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों (Genetically - modified crops) की अवधारणा को समझाइए तथा देश में खाद्य सुरक्षा (Food security) और पर्यावरण पर इसके प्रभावों की समीक्षा कीजिए।

28. **वृक्षारोपण अभियान का प्रबंधन:** विद्यालय स्तर पर तुलसी, नीम या स्थानीय पौधों के रोपण के लिए एक अभियान कार्यक्रम (Conduct a campaigning programme for plantation) आयोजित करने के सोपानों और उसके शैक्षिक उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

29. **पारंपरिक भारतीय पर्यावरण दिवसों का वैज्ञानिक आधार:** भारतीय पारंपरिक संस्कृति में मनाए जाने वाले प्रकृति-संबंधी दिनों (जैसे—वसंत पंचमी, हरियाली अमावस्या आदि) के पीछे छिपे वैज्ञानिक आधार (Scientific base of environment related days) का विश्लेषण करते हुए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कीजिए।

30. **स्थानीय लोक गीतों में पर्यावरणीय संदेश:** अपने क्षेत्र के पारंपरिक लोक गीतों या लोक संस्कृति (Traditional Culture/folk songs) में छिपे हुए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष पर्यावरणीय संदेशों का विश्लेषण कीजिए कि वे पर्यावरण संवर्धन में कैसे सहायक हैं।